विक्रम संवाद

पाक्षिक आलेख सेवा/नि:शुल्क वितरण के लिए

संपादक
महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ
बड़ला भवन, देवास रोड, उज्जैन 456010
फोन : 0734–2521499, 0755–2660407
Email : mvspujjain@gmail.com
vikramadityashodhpeeth@gmail.com
Web : www.mvspujjain.com

इस अंक में

पृष्ठ क्र. 1
शासकों के लिए आज भी आदर्श हैं...

पृष्ठ क्र. 3
विक्रमोत्सव के दौरान भारतीय ऋषि...

पृष्ठ क्र. 5
सम्राट विक्रमादित्य ने सुशासन, न्याय...

शासकों के लिए आज भी आदर्श हैं सम्राट विक्रमादित्य : उपराष्ट्रपति धनखड़

सम्राट विक्रमादित्य ने अपने शासन से उस काल को और भारत को गौरवान्वित किया। हमारी सांस्कृतिक चेतना के विकास में सम्राट विक्रमादित्य का अतुल्य योगदान रहा। वे शासकों के लिए आज भी एक आदर्श हैं। वे बड़े प्रजा वत्सल थे। उन्होंने शासकों को सिखाया कि एक राजा को किस तरह अपनी प्रजा की सेवा करनी चाहिए। उन्होंने अपने शासनकाल में कला संस्कृति, साहित्य और विज्ञान के संरक्षण और संवर्धन से भारत राष्ट्र को समृद्ध किया। भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ 12 अप्रैल 2025 को दिल्ली के लाल किला परिसर स्थित माधादास पार्क में मध्यप्रदेश सरकार द्वारा आयोजित सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य महामंचन के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उपराष्ट्रपति धनखड एवं अन्य अतिथियों ने इस तीन दिवसीय सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य महामंचन आयोजन का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया।

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि हमारी संस्कृति एक मिसाल है कि भारतीय जीवन मूल्यों के साथ जीवन कितना सहज और सरल हो सकता है। भारतीयता हमारी पहचान है और राष्ट्रवाद हमारा परम धर्म है। सम्राट विक्रमादित्य ने अपने शासनकाल में राष्ट्र के निर्माण में अमूल्य योगदान दिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में हमारा देश बदल रहा है। भारत में भूतल की गहराई से आकाश की ऊंचाइयों तक हर तरफ विकास ही विकास हो रहा है। प्रधानमंत्री मोदी की दूरदर्शिता से भारत की पुरानी प्रतिष्ठा पुनर्स्थापित और जीवंत हो रही है। उन्होंने कहा कि भाषा हमारी सांस्कृतिक चेतना की धुरी है। हमें अपनी भाषा पर गर्व करना चाहिए। हमारी नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में भी भारत की सांस्कृतिक चेतना के प्रसार और भारतीय ज्ञान परम्पराओं पर आधारित शिक्षा पर विशेष जोर दिया गया है। उपराष्ट्रपति ने मध्यप्रदेश सरकार द्वारा दिल्ली में किए जा रहे इस महा आयोजन के लिए

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को बधाई और साधुवाद देते हुए कहा कि केंद्र एवं दिल्ली सरकार के साथ मिलकर यह सिलसिला आगे भी जारी रहना चाहिए। हमें हमारी संस्कृति के संवर्धन के लिए हमेशा प्रयास करना चाहिए और उन्हें खुशी है कि मध्यप्रदेश में यह कार्य बड़ी लगन और कुशलता से किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमें अपनी सांस्कृतिक विरासत को सहेजे रखना है। हमें इसे वैश्विक स्तर पर मान्यता दिलाने के लिये प्रयास करना चाहिए।

धीरता, वीरता, संवेदनशीलता के प्रतीक थे सम्राट वीर विक्रमादित्य : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सम्राट वीर विक्रमादित्य के शासनकाल को भारतीय इतिहास का गौरवशाली काल बताते हुए कहा कि हमारी संस्कृति को सहेजने और संवारने में विक्रमादित्य का अमिट योगदान है। उन्होंने सिर्फ शासन को सुशासन की व्यवस्था में बदला। वे अदम्य साहस, धीरता, वीरता और संवेदनशीलता के प्रतीक थे। उन्होंने अपनी प्रजा को कर्जमुक्त किया। वे अनेकानेक गुणों से युक्त थे। गरीबों, लाचारों, वंचितों को उनका हक दिलाने की प्रेरणा हमें सम्राट विक्रमादित्य से ही मिलती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सम्राट विक्रमादित्य हमारे लिए सदैव स्तुत्य रहेंगे, उन्होंने हमें जनता की सेवा की सीख दी है। वे अपनी प्रजा का सुख–दुख जानने के लिए भेष बदलकर प्रजा के बीच जाते थे। उनकी यह संवेदनशीलता बताती है कि प्रजा के सुख में ही शासक का सुख है। हमारी संस्कृति सदैव समृद्ध रही है और आगे भी रहेगी। हमारी संस्कृति मां गंगा की अविरल धारा की तरह सदैव अक्षुण्ण रहेगी। हमें अपने अतीत पर गर्व है और यह भावना हमें भावी पीढ़ी तक भी पहुंचानी है।

सांस्कृतिक उत्कर्ष का सोपान था विक्रमादित्य का शासन : केन्द्रीय मंत्री शेखावत

केन्द्रीय पर्यटन और संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार द्वारा दिल्ली में सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य का आयोजन देश के इतिहास को जीवंत करने के साथ–साथ हमारी सांस्कृतिक चेतना को भी सशक्त कर रहा है। उन्होंने कहा कि सम्राट विक्रमादित्य का शासनकाल भारत की सांस्कृतिक ऊंचाइयों का उत्कर्ष था। उनके शासन पर आधारित महानाट्य का मंचन विक्रमादित्य के उस स्वर्णिम युग का मंचन है। वे ज्ञान, विज्ञान कौशल के पोषक और वीरता की मिसाल थे। वे आदर्श शासक थे। उन्होंने अपने नवरत्नों के जरिए भारत की संस्कृति को उच्चतम स्तर पर ले जाने का प्रयास किया। वीर विक्रमादित्य के शासनकाल का मंचन एक नई धारा है, एक नया सोपान है, जिसका आगाज मध्यप्रदेश सरकार ने किया है। उन्होंने इस पहल के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव को बधाई और शुभकामनाएं दीं।

दिल्ली के लिए परम सौभाग्य की बात : सीएम गुप्ता

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव का आभार जताया। उन्होंने कहा कि डॉ. यादव ने दिल्ली की जनता को विक्रमादित्य के चरित्र और शौर्य से साक्षात्कार करने का अवसर दिया है। मेरा और दिल्ली का परम सौभाग्य है कि आज सम्राट विक्रमादित्य को और अधिक समझने का अवसर प्राप्त हुआ। सौभाग्य की बात है कि शौर्य और पराक्रम के प्रतीक सम्राट विक्रमादित्य पर महानाट्य का महामंचन यहाँ हो रहा है। दिल्लीवासी आज इतिहास से रुबरू हो रहे हैं। वे सम्राट विक्रमादित्य के शौर्य, पराक्रम, वीरता, कुशलता और सुशासन को अपनी आंखों से देख रहे हैं इसके लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव का बहुत–बहुत धन्यवाद।

कार्यक्रम में मध्यप्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल, शिवप्रकाश, उपराष्ट्रपति की धर्मपत्नी डॉ. सुदेश धनखड़, मध्यप्रदेश के प्रमुख सचिव पर्यटन और संस्कृति शिवशेखर शुक्ला, प्रमुख सचिव आनंद विभाग राघवेंद्र कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के संस्कृति सलाहकार श्रीराम तिवारी, डॉ. अतुल जैन सहित मध्यप्रदेश एवं दिल्ली सरकार के मंत्रीगण, विधायकगण तथा विक्रमादित्य महानाट्य महामंचन के 250 से अधिक कलाकारों सहित बड़ी संख्या में मध्यप्रदेश एवं दिल्ली के कलाप्रेमी और नागरिक उपस्थित थे।

विक्रमोत्सव के दौरान भारतीय ऋषि वैज्ञानिक परंपरा पर केन्द्रित प्रदर्शनी आर्ष भारत का किया अवलोकन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विरासत के विकास के संकल्प को लेकर दिल्ली में विक्रमोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। प्रदेश की संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन के साथ विकास की दिशा में कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने महानाट्य मंचन के मुख्य अतिथि केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण तथा रसायन और उर्वरक मंत्री जे.पी. नड्डा का स्वागत करते हुए कहा कि नड्डाजी मध्यप्रदेश के दामाद होने के नाते उनका प्रदेश से विशेष प्रेम और लगाव है। नड्डाजी के मार्गदर्शन में प्रदेश विकास की राह पर अग्रसर है। सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य का जब भी मंचन हुआ है, नड्डाजी ने हमेशा अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि सम्राट विक्रमादित्य ने शक और हूण जैसे आक्रांताओं को परास्त कर सुशासन स्थापित किया। भगवान श्रीराम के बाद सम्राट विक्रमादित्य का काल विनम्रता से शासन करना सिखाता है। सम्राट विक्रमादित्य जैसे महानायक इतिहास नहीं बनते, इतिहास बनाते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह बात दिल्ली के लाल किले में विक्रमोत्सव के दौरान चित्र प्रदर्शनी और एम पी पेवेलियन के अवलोकन के दौरान मीडिया से कही। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दिल्ली में सम्राट विक्रमादित्य के महानाट्य के मंचन के साथ सरकार की जनहितैषी और कल्याणकारी योजनाओं, संस्कृति और पर्यटन की जानकारी के साथ प्रदेश में निवेश के अवसरों को प्रदर्शित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के साथ उप मुख्यमंत्री द्वय जगदीश देवड़ा, राजेंद्र शुक्ल, संस्कृति और पर्यटन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेंद्र भाव सिंह लोधी के साथ गणमान्य नागरिक और समाजसेवी थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विक्रमादित्यकालीन पुरातात्विक मुद्रा मुद्रांक, भारतीय ऋषि वैज्ञानिक परंपरा पर केन्द्रित प्रदर्शनी आर्ष भारत, मध्यप्रदेश में पर्यटन की संभावनाओं, प्रदेश में निवेश तथा रोजगार सृजन के अवसरों में लोकव्यापी विस्तार के प्रयासों पर केंद्रित प्रदर्शनियों का अवलोकन किया।

प्रदर्शनी आर्ष भारत में भारत के प्राचीन ऋषि–मुनियों के वैज्ञानिक योगदान को चित्रों और जानकारी के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है। प्रदर्शनी में आर्यभट्ट, चरक, सुश्रुत, कणाद, पतंजलि, भास्कराचार्य और अन्य महान वैज्ञानिकों की खोजों और उनके योगदान को दर्शाया गया है।

भारतीय ऋषि वैज्ञानिक परंपरा पर केन्द्रित आर्ष भारत प्रदर्शनी में 100 से अधिक ऋषियों, मनीषियों, महापुरूषों के चित्रों को देशभर के चित्रकारों ने तैयार किया है। यह प्रदर्शनी भारतीय ऋषियों द्वारा दिये गये वैज्ञानिक योगदान को बताती है और यह स्पऋष्टा करती है कि भारतीय वैज्ञानिक परंपरा कितनी समृद्ध थी। इस दौरान एमपी पेवेलियन के अवलोकन के दौरान डिंडोरी की गोंड पेंटिंग, स्थानीय कला बाग प्रिंट की साड़ियों, लड़की के खिलौनों, जरी जरदोजी कला, टेराकोटा कला के कलाकारों से परिचय लिया।

सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य की प्रधानमंत्री मोदी ने की सराहना

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किला परिसर के माधव दास पार्क में आयोजित तीन दिवसीय सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य महामंचन और इससे जुड़ी प्रदर्शनियों की सराहना कर बधाई दी है। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा दी गई शुभकामनाओं के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आभार माना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर प्रधानमंत्री मोदी का आत्मीय आभार प्रकट किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी द्वारा दिल्ली के लाल किला परिसर में आयोजित तीन दिवसीय सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य के आयोजन के लिए मध्यप्रदेश सरकार और कलाकारों को दी गई शुभकामनाएं अमूल्य हैं। पीएम मोदी के मार्गदर्शन में भारतीय संस्कृति, जीवन मूल्यों और सांस्कृतिक चेतना के पुनर्जागरण के लिए हमारी सरकार निरंतर कार्यरत है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सम्राट विक्रमादित्य के सुशासन और आदर्श जीवन पर आधारित यह भव्य महानाट्य देशवासियों को उनके स्वर्णिम युग की स्मृतियों से जोड़ते हुए सांस्कृतिक गौरव का भाव जागृत करेगा। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री मोदी ने सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य के संदर्भ में 11 अप्रैल 2025 को भेजे अपने शुभकामना संदेश में कहा है कि उज्जैन के महान सम्राट विक्रमादित्य के गौरव और वैभव को जन–जन तक पहुँचाने का यह प्रयास सराहनीय है। उनका शासन काल जन–कल्याण, सुशासन और सांस्कृतिक पुनरुत्थान के लिए जाना जाता है। मध्यप्रदेश के ऊर्जावान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में यह आयोजन निश्चित रूप से युवा पीढ़ी को अपने गौरवशाली अतीत से जोड़कर आत्मविश्वास और कर्तव्यनिष्ठा की भावना से परिपूर्ण नागरिक बनाने में सहायक सिद्ध होगा। प्रधानमंत्री मोदी के इस संदेश ने मध्यप्रदेश सरकार और महानाट्य महामंचन के सभी कलाकारों में उत्साह का संचार करते हुए नई ऊर्जा प्रदान की है।

नई दिल्ली में सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य के महामंचन कार्यक्रम में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे.पी. नड्डा और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रबुद्धजनों को सम्राट विक्रमादित्य का साहित्य और फोटो फ्रेम भेंट किए।

सम्राट विक्रमादित्य ने सुशासन, न्याय, वीरता और दानशीलता का स्थापित किया महत्व

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि देश की राजधानी में लाल किले की प्राचीर पर ऐतिहासिक महानाट्य सम्राट विक्रमादित्य का मंचन उस युग को जीवंत करने का प्रयास है। यह विश्व में भारत द्वारा सुशासन और लोकतांत्रिक व्यवस्था को स्थापित करने की दिशा में कारगर रहेगा। फिल्मों के निर्माण और डिजिटल युग के बावजूद प्राचीन नाट्य परम्परा से परिचित करवाने वाले इस महानाट्य के अंश अविस्मरणीय रहेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव नई दिल्ली में तीन दिवसीय महानाट्य सम्राट विक्रमादित्य के मंचन के समापन अवसर पर संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में महानाट्य के कलाकारों का सम्मान भी किया गया। इसमें अनेक जनप्रतिनिधि, धर्म और आध्यात्म क्षेत्र की हस्तियाँ और बड़ी संख्या में कला प्रेमी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विरासत के संरक्षण के साथ विकास का मंत्र दिया है। वास्तव में वर्तमान काल अदभुत है। प्रधानमंत्री मोदी स्वयं को प्रधान सेवक मानते हैं। आज भारत की गरिमा विश्व में निरंतर बढ़ रही है। एक समय था जब सम्राट विक्रमादित्य ने न्याय, वीरता और सुशासन के महत्व को स्थापित किया। सम्राट विक्रमादित्य के युग को पुनः महानाट्य के माध्यम से जीवंत किया गया है। सम्राट विक्रमादित्य के जीवन के विभिन्न पक्षों को महानाट्य के माध्यम से आमजन सामने लाने का अभूतपूर्व कार्य हुआ है। नाट्य विधा प्राचीन विधा है, इसका आज भी है महत्व मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नाट्य विधा एक प्राचीन विधा है। आज के डिजिटल युग में भी इस विधा का महत्व बरकरार है। फिल्मों के निर्माण के साथ अनेक माध्यमों से कला और संस्कृति के दर्शन होते हैं लेकिन महानाट्य से सम्राट विक्रमादित्य के जीवन और शासन काल को प्रभावी तरीके से प्रस्तुत किया गया है। यह महानाट्य हमारे इतिहास के स्वर्णिम पृष्ठ और गौरवशाली अतीत से परिचय करवाता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य के मंचन के लिए आवश्यक समन्वय एवं सहयोग प्रदान करने के लिये दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के प्रति आभार व्यक्त किया।

केंदीय संचार मंत्री सिंधिया ने कहा कि भारत के इतिहास के महान योद्धा और कुशल शासक सम्राट विक्रमादित्य की स्मृति में आयोजित महानाट्य के माध्यम से मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इनकी गौरवगाथा को राष्ट्रीय पटल पर लाने का श्रेष्ठ काम किया है। भविष्य में इसे विश्व पटल पर भी पहुंचाया जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा संचालित की जा रही जनकल्याणकारी योजनाएँ भी सम्राट विक्रमादित्य के शासन की याद दिलाती हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव इस महानाट्य से भावनात्मक रूप से विगत 18 वर्षों से जुड़े हुए हैं। जब वे सम्राट विक्रमादित्य के पिताश्री की भूमिका निभाते आए हैं। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने

विरासत और विकास को जोड़ने का प्रशंसनीय काम किया है।

राज्यसभा उपसभापति हरिवंश ने कहा कि अतीत के प्रेरक प्रसंगों से भविष्य गढ़ने की ताकत और ऊर्जा मिलती है। वर्तमान युग भारत के पुनर्जागरण का युग है, ऐसे में इतिहास के गौरवशाली प्रसंग प्रेरणा देते हैं। सम्राट विक्रमादित्य के न्याय, धर्म, कला और संस्कृति के लिए प्रसिद्ध शासनकाल को जनमानस की स्मृति में ताजा करने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव बधाई के पात्र हैं। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि सम्राट विक्रमादित्य के जीवन को महानाट्य रूप में प्रस्तुत करने का सौभाग्य दिल्ली को प्राप्त हुआ है। उन्होंने इस अवसर के लिये मुख्यमंत्री डॉ. यादव का दिल्लीवासियों की ओर से धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने बताया कि ऐसे आयोजन एक भारत श्रेष्ठ भारत का संदेश देते हैं। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकारें को अपने गौरवशाली इतिहास और संस्कृतियों का आदान–प्रदान कर शीर्ष पर ले जाने का कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विभिन्न प्रदेशों की संस्कृतियों को माला के मोतियों की तरह पिरो कर जनता तक पहुँचाने की शुरुआत की है।

इस मौके पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दिल्ली में महानाट्य के मंचन को देखने के लिए पधारे राज्य सभा के उप सभापति हरवंश सिंह, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, केंद्रीय राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर, स्वामी अचलानंद जी, मध्यप्रदेश के मंत्रीगण राकेश सिंह, प्रद्युम्न सिंह तोमर, नरेन्द्र शिवाजी पटेल, दिल्ली सरकार के मंत्री आशीष सूद का उपस्थिति के लिए आभार माना और संस्कृति मंत्रालय एवं महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

4 नवदुनिया
भोपाल, रविवार, 13 अप्रैल, 2025
राजधानी/भोपाल सिटी
www.naidunia.com

शासकों के लिए आज भी आदर्श हैं सम्राट विक्रमादित्य : डा. जगदीप धनखड़

राज ब्यूरो, नवदुनिया, भोपाल: दिल्ली के लाल किला परिसर में मध्य प्रदेश सरकार द्वारा आयोजित तीन दिवसीय सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य का मंचन शनिवार को प्रारंभ हुआ। इसका शुभारंभ करते हुए उप राष्ट्रपति डा. जगदीप धनखड़ ने कहा है कि सम्राट विक्रमादित्य ने अपने शासन से उस काल को और भारत को गौरवान्वित किया। हमारी सांस्कृतिक चेतना के विकास में सम्राट विक्रमादित्य का अतुल्य योगदान रहा। वे शासकों के लिए आज भी एक आदर्श हैं। वे बड़े प्रजा वत्सल थे। उन्होंने शासकों को सिखाया कि एक राजा को किस तरह अपनी प्रजा की सेवा करनी चाहिए। उन्होंने अपने शासनकाल में कला, संस्कृति, साहित्य और विज्ञान के संरक्षण और संवर्धन से भारत राष्ट्र को समृद्ध किया। महानाट्य महामंचन 14 अप्रैल तक जारी रहेगा। डा. धनखड़ ने मध्य प्रदेश सरकार के इस आयोजन की प्रशंसा करते हुए कहा कि केंद्र एवं दिल्ली सरकार के साथ मिलकर यह

- दिल्ली के लाल किला परिसर में तीन दिवसीय सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य महामंचन का शुभारंभ

सिलसिला आगे भी जारी रहना चाहिए। केन्द्रीय पर्यटन और संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि मध्य प्रदेश सरकार द्वारा दिल्ली में सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य का आयोजन देश के इतिहास को जीवंत करने के साथ-साथ हमारी सांस्कृतिक चेतना को भी सशक्त कर रहा है। उन्होंने कहा कि सम्राट विक्रमादित्य का शासनकाल भारत की सांस्कृतिक ऊंचाइयों का उत्कर्ष था। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि मप्र के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने दिल्ली की जनता को विक्रमादित्य के चरित्र और शौर्य से साक्षात्कार करने का अवसर दिया है। मप्र के राज्यपाल मंगुभाई पटेल उपस्थित हुए। भारतीय ऋषि वैज्ञानिक परंपरा पर केंद्रित 'आर्ष भारत' प्रदर्शनी का आयोजन हुआ।

लाल किला स्थित माधव दास पार्क में आयोजित महानाट्य सम्राट विक्रमादित्य के उद्घाटन अवसर पर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को स्मृति चिह्न देकर स्वागत करती मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता साथ में मप्र के मुख्यमंत्री मोहन यादव, केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत व अन्य। • इप कृष्ण

धीरता, वीरता, संवेदनशीलता के प्रतीक थे सम्राट विक्रमादित्य-डा. मोहन यादव: मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने सम्राट वीर विक्रमादित्य के शासनकाल को भारतीय इतिहास का गौरवशाली काल बताते हुए कहा कि हमारी संस्कृति को सहेजने और संवारने में विक्रमादित्य का अमिट योगदान है। वे अदम्य साहस, धीरता, वीरता और संवेदनशीलता के प्रतीक थे। उन्होंने अपनी प्रजा को कर्ज मुक्त किया। वे अनेकानेक गुणों से युक्त थे। गरीबों, किसानों, वंचितों को उनका हक दिलाने की प्रेरणा हमें सम्राट विक्रमादित्य से ही मिलती है।

मोदी ने सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य की प्रस्तुति को सराहा, कहा-यह सांस्कृतिक चेतना को सशक्त करेगी

राज्य ब्यूरो, नवदुनिया, भोपाल : दिल्ली के लाल किला मैदान में होने वाले तीन दिवसीय 'सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य' और इससे जुड़ी प्रदर्शनियों के आयोजन की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सराहना की है। मोदी ने अपने संदेश में कहा है कि मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव के मार्गदर्शन में आयोजित इस महोत्सव से सम्राट विक्रमादित्य की गौरवगाथा और वैभव को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य और प्रदर्शनी का महत्व एक सांस्कृतिक आयोजन से कहीं अधिक है। इसका उद्देश्य हमारे इतिहास, हमारी जड़ों और हमारे आत्मबोध को एक उत्सव के रूप में मनाने का है। ऐसे आयोजनों से वर्तमान व भविष्य की पीढ़ियां भारत के स्वर्णिम अतीत से

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

परिचित होंगी और प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में आगे बढ़ेंगी। यह आयोजन देश की सांस्कृतिक चेतना को और सशक्त बनाते हुए युवा पीढ़ी को अपने गौरवशाली अतीत से जोड़कर आत्मविश्वास से पूर्ण, जागरूक और कर्तव्यनिष्ठ नागरिक के रूप में तैयार करने में सहायक सिद्ध होगा। मोदी ने संदेश में यह भी लिखा है कि युगपुरुष सम्राट विक्रमादित्य का शासनकाल जनकल्याण, सुशासन और सांस्कृतिक पुनरुत्थान के लिए जाना जाता है। वह भारत की न्यायप्रिय और लोक कल्याणकारी नेतृत्व परंपरा के प्रतीक थे। उन्होंने साहित्य, कला और विज्ञान को जिस रूप में प्रोत्साहित किया, वह आज भी हमारे लिए आदर्श है। उनके काल की 'विक्रम संवत' परंपरा आज भी भारतीय संस्कृति की पहचान है। मोदी ने लिखा है कि सांस्कृतिक मूल्यों को आधार बनाकर, आधुनिकता और विरासत को साथ लेकर, इस अमृत काल में विकसित भारत की ओर अग्रसर राष्ट्र पर सभी की नजर है। इस यात्रा में सम्राट विक्रमादित्य समेत हमारे महापुरुषों से मिली न्याय, पराक्रम और सेवा जैसी सीखें हमारा मार्गदर्शन करेंगी।

1 3 APR 2025 Page No. 01
MILLENNIUM POST
DELHI EDITION

INAUGURATION

Vice President Jagdeep Dhankhar, Madhya Pradesh Chief Minister Mohan Yadav, and Delhi CM Rekha Gupta inaugurate three-day mega theatrical event on Emperor Vikramaditya, the ancient ruler of Ujjaini (present-day Ujjain, Madhya Pradesh), at the Red Fort, in New Delhi, on Saturday. The event will run until April 14 MPOST

1 3 APR 2025 Page No. 07
अमर उजाला
दिल्ली संस्करण

भाषा हमें जोड़ती है, अलगाव नहीं करती : जगदीप धनखड़

लाल किले के माधव दास पार्क में शनिवार को सम्राट विक्रमादित्य के जीवन पर आधारित नाट्य मंचन में अभिनय करते कलाकार। अमर उजाला

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को कहा कि भाषा लोगों को जोड़ने का माध्यम है, इसलिए यह अलगाव पैदा नहीं कर सकती। लाल किले के माधव दास पार्क में सम्राट विक्रमादित्य पर आधारित एक नाट्य प्रदर्शन के अवसर पर उन्होंने कहा, भाषा हमारी सांस्कृतिक विरासत का हिस्सा है और हर भाषा हमें गुणात्मक रूप से प्रभावित करती है।

दक्षिण, उत्तर, पूर्व या पश्चिम – यह सोच हमें जोड़ती है। जो चीज जोड़ने के लिए है, वह हमें अलग नहीं कर सकती। उन्होंने इस मुद्दे पर गहन विचार करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उपराष्ट्रपति ने अपने बचपन का उदाहरण देते हुए कहा कि तब अंग्रेजी एक रैंकिंग विषय हुआ करती थी। आपातकाल के बाद एक बड़ा बदलाव आया जब तत्कालीन सरकार ने अंग्रेजी को रैंकिंग विषय से हटाने का फैसला किया, लेकिन 2009 में किन कारणों से इसे फिर से रैंकिंग विषय बना दिया गया, यह मैं नहीं जानता। धनखड़ ने संकेत दिया कि इस फैसले को कोर्ट में चुनौती दी गई थी और याचिकाकर्ताओं को केस में जीत मिली। उन्होंने भाषाई एकता को भारत की सांस्कृतिक ताकत बताते हुए सभी भाषाओं के सम्मान की आवश्यकता पर बल दिया। एजेंसी

1 3 APR 2025 Page No. 06
नवोदय टाइम्स
दिल्ली संस्करण

देशभर में होने चाहिए विक्रमादित्य महानाट्य जैसे आयोजन: उप राष्ट्रपति

- मध्यप्रदेश सरकार की ओर से आयोजित तीन दिवसीय मंचन शुरू

नई दिल्ली, 12 अप्रैल (नवोदय टाइम्स): सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य जैसे आयोजन देशभर में आयोजित किए जाने चाहिए। इससे सांस्कृतिक भावना मजबूत होती है। साथ ही यह भी पता चलता है कि किस तरह से भारत के राजा-महाराजाओं ने संघर्ष किया और राज्य की स्थापना की। यह बातें उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को

कहीं। वह विक्रमादित्य शोध पीठ, मध्य प्रदेश सरकार, दीन दयाल शोध संस्था और संस्कार भारती की ओर से आयोजित महानाट्य सम्राट विक्रमादित्य के मंचन के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में मप्र के राज्यपाल मंगुभाई पटेल व केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत उपस्थित रहे।

लाल किला स्थित माधवदास पार्क में आयोजित महानाट्य मंचन में मप्र के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि उज्जैन के राजा विक्रमादित्य से ही भारतीय काल गणना विक्रम संवत का संबंध है। यह नाट्य प्रस्तुति मध्य प्रदेश के सभी जिलों और तेलंगाना में की जा चुकी है। इसे पूरे देश में आयोजित करने की योजना है। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली के अन्य क्षेत्रों में महानाट्य का मंचन करने के लिए भाजपा की प्रदेश सरकार हर संभव मदद करेगी। कार्यक्रम में दिल्ली सरकार के मंत्री प्रवेश वर्मा, मनजिंदर सिंह सिरसा, रवि इंद्राज सिंह, विधायक सतीश उपाध्याय आदि भी उपस्थित रहे।

200 कलाकारों ने दी प्रस्तुति

महानाट्य की प्रस्तुति में 200 से अधिक कलाकारों ने हिस्सा लिया। घोड़े और हाथी को भी शामिल किया गया। नाट्य प्रस्तुति में लाइट एंड साउंड का गजब संयोजन देखने को मिला। मंच सज्जा का अकल्पनीय अंदाज भी दिखाई दिया। 14 अप्रैल तक प्रतिदिन शाम 6 बजे से रात 9 बजे तक इस महानाट्य का आनंद लिया जा सकेगा। आयोजन स्थल पर महाराजा विक्रमादित्य के जीवन पर प्रदर्शनी भी आयोजित की गई है। इसके साथ मप्र के शिल्प और कलाकारी को परिधानों की कलाकृतियों के माध्यम से प्रदर्शित किया गया है।

13 APR 2025 Page No. 5

हरिभूमि
दिल्ली संस्करण

लाल किला परिसर में त्रिदिवसीय सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य महामंचन का शुभारंभ

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा- शासकों के लिए आज भी आदर्श हैं महाराजा विक्रमादित्य

भारतीयता हमारी 'पहचान' है और राष्ट्रवाद हमारा परम धर्म

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

उपराष्ट्रपति ने कहा कि प्रधानमंत्री की दूरदर्शिता से भारत की पुरानी प्रतिष्ठा पुनर्स्थापित और जीवंत हो रही है। भाषा हमारी सांस्कृतिक चेतना की धुरी है। हमें अपनी भाषा पर गर्व करना चाहिए।

सम्राट विक्रमादित्य ने अपने शासनकाल में राष्ट्र के निर्माण में अमूल्य योगदान दिया

केंद्र एवं दिल्ली सरकार के साथ मिलकर यह सिलसिला आगे भी जारी रहना चाहिए

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि महाराजा विक्रमादित्य ने अपने शासन से उस काल को और भारत को गौरवान्वित किया। हमारी सांस्कृतिक चेतना के विकास में सम्राट विक्रमादित्य का अतुल्य योगदान रहा। वे शासकों के लिए आज भी एक आदर्श हैं। वे बड़े प्रजा वत्सल थे। उन्होंने शासकों को सिखाया कि एक राजा को किस तरह अपनी प्रजा की सेवा करनी चाहिए। उन्होंने अपने शासनकाल में कला संस्कृति, साहित्य और विज्ञान के विकास को संरक्षण और संवर्धन देकर भारत राष्ट्र को विकसित किया।

धनखड़ ने कहा कि हमारी संस्कृति एक मिसाल है कि भारतीय जीवन मूल्यों के साथ जीवन कितना सहज और सरल हो सकता है। भारतीयता हमारी पहचान है, और राष्ट्रवाद हमारा परम धर्म है। सम्राट विक्रमादित्य ने अपने शासनकाल में राष्ट्र के निर्माण में अमूल्य योगदान दिया। भारत में भूतल की गहराई से आकाश की ऊंचाइयों तक हर तरफ विकास ही विकास हो रहा है। प्रधानमंत्री मोदी की दूरदर्शिता से भारत की पुरानी प्रतिष्ठा पुनर्स्थापित और जीवंत हो रही है।

250 कलाकार एक साथ प्रस्तुति दे रहे

14 अप्रैल तक चलेगा महानाट्य का महामंचन

सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य महामंचन 13 एवं 14 अप्रैल को भी होगा। इसमें 250 कलाकार सम्राट विक्रमादित्य की जीवन गाथा को जीवंत कर रहे हैं। इस महानाट्य के दृश्यों को सजीव बनाने के लिए पालकी, रथ, घोड़ों और एलईडी ग्राफिक्स के स्पेशल इफेक्ट का प्रयोग किया जा रहा है। कार्यक्रम में महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ की ओर से विक्रमादित्यकालीन मुद्रा और मुद्रांक की प्रदर्शनी भी लगाई जा रही है। भारतीय ऋषि वैज्ञानिक परंपरा पर केंद्रित 'आर्ष भारत' प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया है। इसमें 100 से अधिक ऋषियों के जीवन और योगदान को प्रदर्शित किया जा रहा है। जनसंपर्क विभाग की ओर से मप्र का विकास एवं उपलब्धियां विषय पर और पर्यटन एवं उद्योग विभाग से भी प्रदर्शनियां भी यहां लगाई हैं।

विक्रमादित्य ने शासन को सुशासन की व्यवस्था में बदला: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी संस्कृति को सहेजने और संवारने में विक्रमादित्य का अमिट योगदान है। उन्होंने शासन को सुशासन की व्यवस्था में बदला। वे अदम्य साहस, धीरता वीरता और संवेदनशीलता के प्रतीक थे। उन्होंने अपनी प्रजा को कर्जमुक्त किया। वे अनेकानेक गुणों से युक्त थे। गरीबों, लाचारों, वंचितों को उनका हक दिलाने की प्रेरणा हमें सम्राट वीर विक्रमादित्य से ही मिलती है। वे अपनी प्रजा का सुख-दुख देखने के लिए भेष बदलकर प्रजा के बीच आते थे। हमारी संस्कृति मां गंगा की अविरल धारा की तरह लगातार बहती रहेगी।

दिल्ली और मेरे लिए परम सौभाग्य की बात: रेखा गुप्ता

दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव का आभार जताया। उन्होंने कहा कि डॉ. यादव ने दिल्ली की जनता को विक्रमादित्य के चरित्र और शौर्य को देखने और समझने का अवसर दिया है। मेरा और दिल्ली का परम सौभाग्य है कि ये दिन दिल्ली को देखने को मिला। सौभाग्य की बात है कि शौर्य और पराक्रम के प्रतीक सम्राट विक्रमादित्य पर महानाट्य मंचन यहां हो रहा है। दिल्लीवासी आज इतिहास से रुबरू हो रहे हैं। वे सम्राट विक्रमादित्य के चरित्र को अपनी आंखों से देख रहे हैं इसके लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को बहुत-बहुत धन्यवाद।

13 APR 2025 Page No. 13

MILLENNIUM POST
DELHI EDITION

MP GOVT'S INITIATIVE: 250 ARTISTS BRING TO LIFE LEGACY OF A LEGENDARY INDIAN MONARCH

3-day theatrical event on Emperor Vikramaditya begins at Red Fort

SATYAPRAKASH SHARMA

NEW DELHI: The Drugs Control Department of the Delhi government has seized counterfeit Thrombophob ointments valued at over Rs 2.5 lakh from a wholesale drug outlet here, officials said Thursday.

The grand three-day theatrical spectacle "Mahanatya Samrat Vikramaditya" commenced at the Red Fort's Madhavdas Park of Delhi on Saturday, with Vice President Jagdeep Dhankhar inaugurating the mega staging.

The cultural mega-event is being organised by the Madhya Pradesh Government and will run until April 14, with over 250 artists reenacting the life and legacy of the governance model of the legendary Indian ruler Vikramaditya of Ujaiyani (present-time Ujjain of Madhya Pradesh).

Spl. Commissioner of Police Robin Hibu during the inauguration MPOST

Vice President Dhankhar praised Emperor Vikramaditya's governance, calling him a paragon of cultural pride and administrative excellence. "He made India proud through his rule and remains a timeless example for modern leadership. His contributions to arts, literature, science, and justice enriched the soul of our nation," Dhankhar remarked.

BJP national chief and Union Minister JP Nadda will attend the performance on Sunday as the chief guest

Highlighting India's growing global stature under Prime Minister Narendra Modi's leadership, Dhankhar drew parallels between Vikramaditya's golden era and contemporary India's resurgence.

"From the depths of the earth to the heights of the skies, development is everywhere. Our heritage must be preserved and proudly showcased to the world," he added.

Chief Minister of Madhya Pradesh Mohan Yadav said that Vikramaditya's rule was a glorious chapter in Indian history. "He was the embodiment of courage, compassion, and justice. He freed his people from debt and disguised himself to understand their struggles. He exemplified true public service," said Yadav, urging citizens to reconnect with their cultural roots through the grand play.

Union Tourism and Culture Minister Gajendra Singh Shekhawat hailed the event as a milestone in reviving India's cultural consciousness. "Vikramaditya's reign marked a cultural renaissance. This theatrical representation is a tribute to that golden era," Shekhawat said.

Delhi Chief Minister Rekha Gupta called it an honour for Delhi to host such a majestic production. "It is a rare opportunity for Delhiites to witness the valour, wisdom, and governance of Emperor Vikramaditya through such a magnificent medium," she said.

The show integrates live performances, LED graphics, palanquins, horses, and chariots to create an immersive experience. Exhibitions on ancient Indian currency, sage-scientists, and Madhya Pradesh's development have also been set up. BJP national chief and Union Minister JP Nadda will attend the performance on Sunday.